GD GOENKA SCHOOL

DWARKA SECTOR-10
NEW DELHI

Thrive. For Life.

PRIMARY JOURNAL

2025-26

सृजन संगम

प्रकृति-पथ: बाल संसार की झलक

सितंबर का महीना गोयंका विद्यालय में सृजनशीलता, भाषा प्रेम और सामाजिक चेतना की मधुर बयार लेकर आया। हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा को सम्मानित किया—कविताओं, पोस्टरों और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से भाषा की गरिमा को सजीव किया। हिंदी माह के अंतर्गत नैतिक कहानी वाचन, कविता वाचन और हिंदी स्पेल बी प्रतियोगिता जैसी विविध प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं, जिन्होंने बच्चों की भाषाई अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास को नई उड़ान दी। विद्यालय परिसर में कक्षा बाह्य बोर्डों की रचना भी की गई, जिन पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम को दर्शाने वाले आकर्षक संदेश, चित्र और लेखन प्रदर्शित किए गए। स्वच्छता दिवस ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया, जहाँ नन्हे हाथों ने मिलकर स्वच्छ भारत का संकल्प लिया। कक्षाओं में विज्ञान प्रयोग, पुनः उपयोग की वस्तुओं से कलाकारी और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियाँ आयोजित हुईं, जिन्होंने बच्चों की कल्पनाशीलता को दिशा दी और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

नन्हे कलाकार

अध्यापिका ने भिन्न-भिन्न कहानियों के द्वारा छात्रों को विभिन्न व्यंजनो का परिचय दिया और साथ ही उनसे सम्बंधित गतिविधियाँ भी करवाई जिनमे छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
व्यंजन च के लिए चाँद में सिल्वर कागज चिपकाया , **व्यंजन छ** के लिए कागज को मोड़ कर छतरी बनाई , **व्यंजन ज** के लिए जहाज में विभिन्न तकनीकों द्वारा रंग भरे, **व्यंजन ट** की गतिविधि के लिए कागज़ की टाई में विभिन्न रंग की बिंदियाँ चिपकाई, **व्यंजन ड** के लिए डमरू को विभिन्न तकनीको द्वारा सजाया। **समग्र प्रगति कार्ड** के लिए छात्रों ने **'च' - चिड़िया** को चिपकाया और क्राफ्ट को सजाया।सभी छात्रों ने गतिविधियों में उल्लासपूर्वक भाग लिया और नए व्यंजन सीखे।

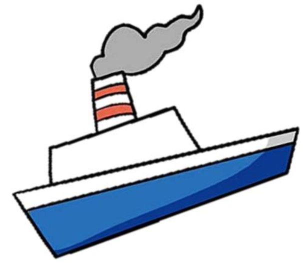

किंडरगार्टन के नन्हे सृजनहार

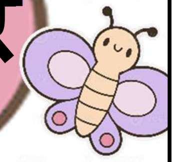

किंडरगार्टन के नन्हे सृजनहारों ने हर्ष और उमंग के साथ व्यंजनों की दुनिया को जाना। रंगों और कल्पनाओं से सजी इन बाल केंद्रित गतिविधियों में,छात्रों ने न केवल व्यंजनों की पहचान की,बल्कि अपनी रचनात्मकता की मधुर छटा भी बिखेरी।

व्यंजन ठ - छात्रों ने ठ अक्षर को जानने के लिए ठप्पा *प्रिंटिंग* की और रंग-बिरंगे ठप्पे लगाकर अपनी कल्पनाशक्ति को उभारा।

व्यंजन ढ - स्पॉन्ज प्रिंटिंग तकनीक का प्रयोग करते हुए छात्रों ने स्वादिष्ट ढोकला का सुंदर चित्र तैयार किया।

व्यंजन ड - विभिन्न कलात्मक तकनीकों का प्रयोग कर छात्रों ने आकर्षक डमरू को सजाया।

व्यंजन त - छात्रों ने अपनी कलात्मक निपुणता दर्शाते हुए रंग-बिरंगी तितलियों को सजाया।

व्यंजन थ- थ अक्षर की गतिविधि में छात्रों ने *पुराने कागज़* का उपयोग कर *थैला* बनाना सीखा और *पुनः उपयोग* का महत्व जाना।

व्यंजन ध-*कॉटन डैबिंग तकनीक* का प्रयोग करते हुए छात्रों ने सुंदर *धरती* का शिल्प तैयार किया।

व्यंजन न - व्यक्तिगत गतिविधि में छात्रों ने *ओरिगामी शीट* का प्रयोग कर "न" से *नाव* बनाई और रचनात्मकता की दिशा में कदम

व्यंजन फ - विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए छात्रों ने रंग-बिरंगे *फलों की टोकरी* बनाई, जो देखने में अत्यंत मनमोहक थी।

व्यंजन ब - *टियरिंग एंड पेस्टिंग* तकनीक का प्रयोग करते हुए छात्रों ने "ब" से *बस* बनाई, जो उनकी कल्पना की यात्रा को दर्शाती थी।

व्यंजन भ - *समूह गतिविधि* में छात्रों ने *भेड़* को सजाया और उस पर *कॉटन* लगाकर उसे जीवन्त रूप दिया।

व्यंजन म - छात्रों ने "म" से *मछली* का सुंदर शिल्प तैयार किया और उसे रंगों से सजा कर अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया।

उ की मात्रा की गतिविधि

छात्रों ने A4 शीट पर सुंदर कछुआ बनाकर उसमें 'उ' की मात्रा वाले शब्द लिखे। इस गतिविधि से उनके भाषाई ज्ञान, शब्दावली, और रचनात्मकता में वृद्धि हुई। रंगों से सजे इन कछुओं ने बच्चों की कल्पनाशक्ति और एकाग्रता को भी प्रोत्साहित किया।

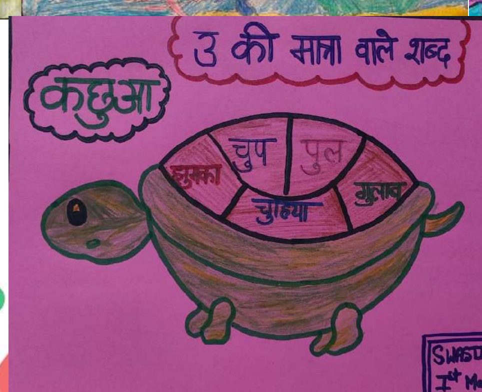

ऊ की मात्रा की गतिविधि

छात्रों ने 'ऊ' की मात्रा पर आधारित एक रोचक गतिविधि में भाग लिया। उन्होंने 'ऊ' की मात्रा वाले शब्दों के चित्रों से सुंदर फूलदान सजाया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने अपनी भाषा ज्ञान, उच्चारण और रचनात्मकता को विकसित किया तथा सीखने को मनोरंजक बनाया।

भाषा और रचनात्मक कौशल विकसित करने हेतु कक्षा दूसरी के छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया I

वचन

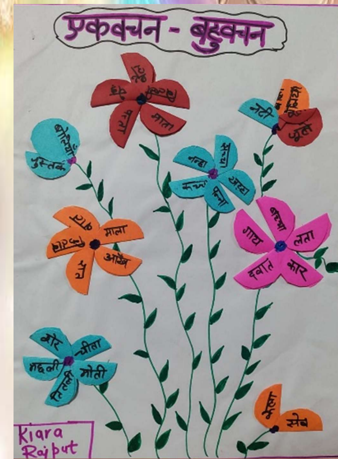

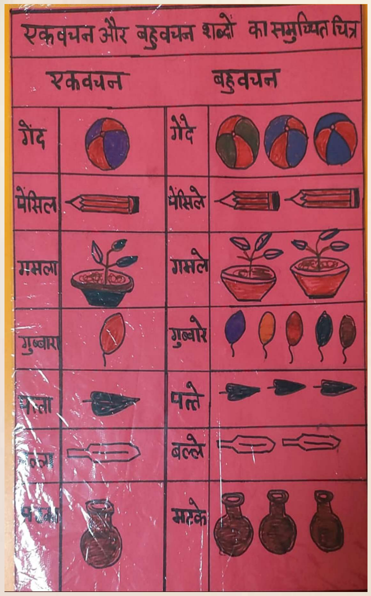

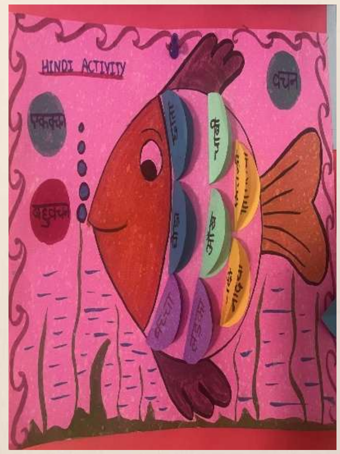

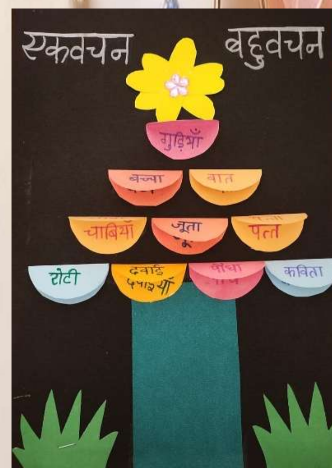

विशेषण

सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने के लिए 'हिंदी दिवस' की गतिविधि में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग

हिंदी दिवस

कक्षा तीसरी

स्वच्छ भारत : स्वच्छ रखो अपना परिवेश

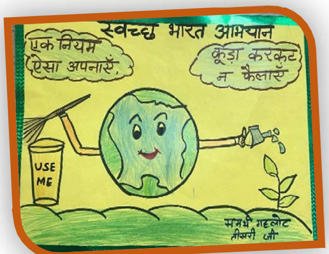

रोशनी का त्यौहार- दीपावली : रोशन हो हर दिल, जगमगाए हर घर|

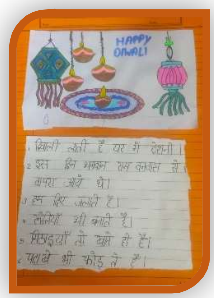

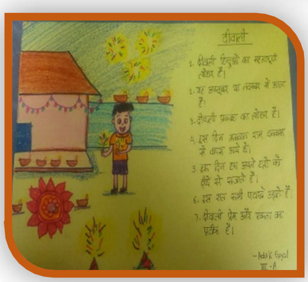

वचन की दुनिया: शब्दों का बदलता रूप

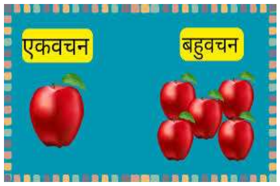

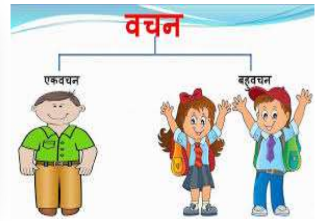

मातृभाषा हिन्दी : हमारी पहचान

कक्षा- चौथी

विशेषण - छात्रों ने विशेषण तथा उसके भेदों को इंद्रधनुषी रंगों के माध्यम से सजाया |

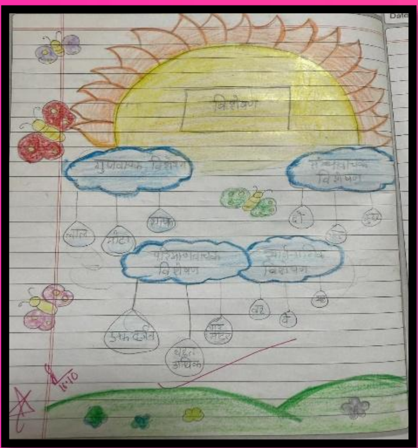

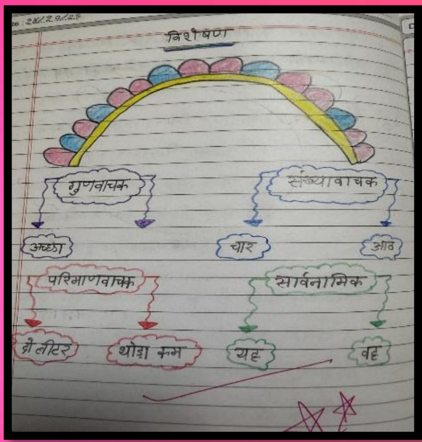

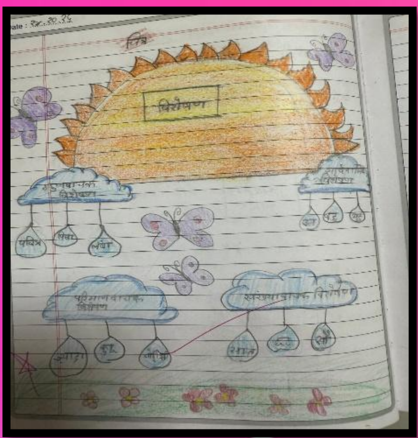

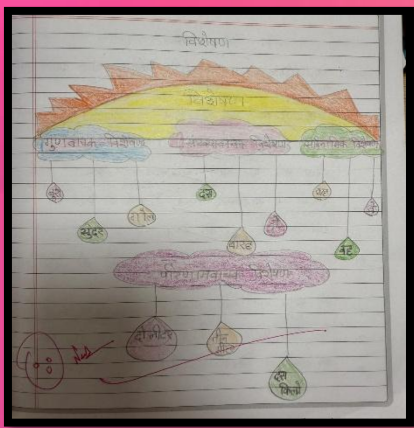

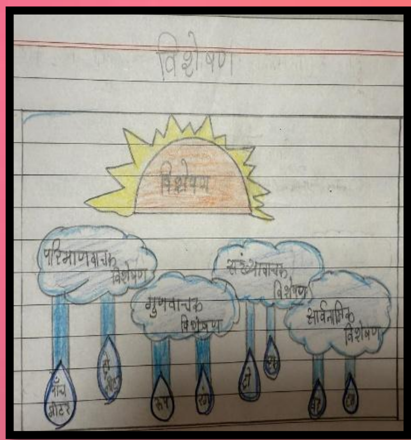

'वृक्ष' कविता पढ़ने के बाद बीज के अंकुरण की प्रक्रिया को गतिविधि के

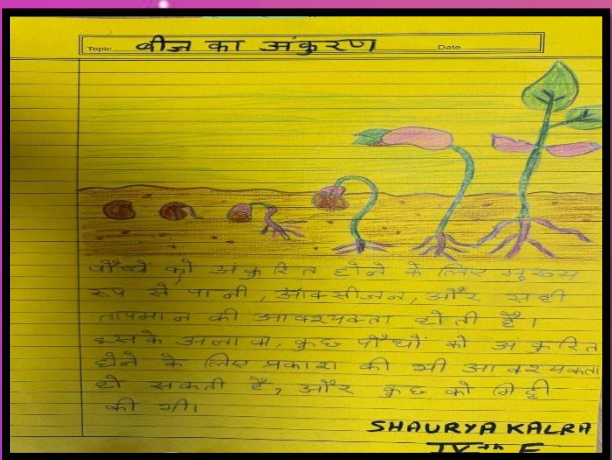

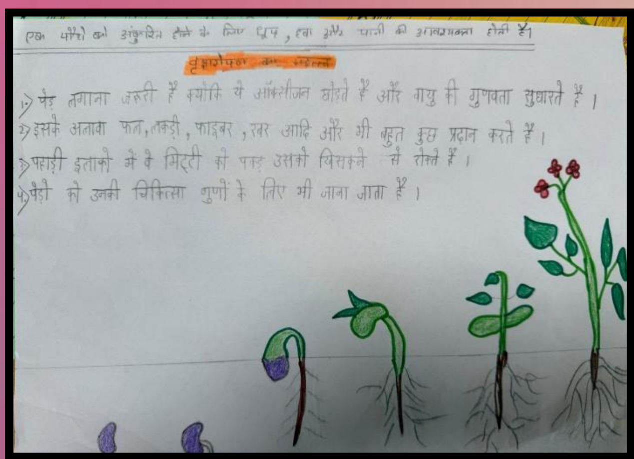

छात्रों ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता पर आधारित 'नारा लेखन' किया साथ ही स्वच्छता के महत्व को समझा |

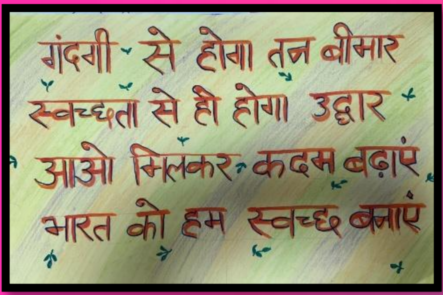

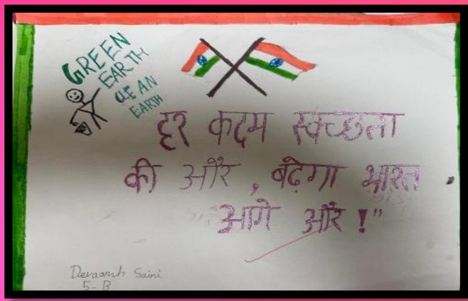

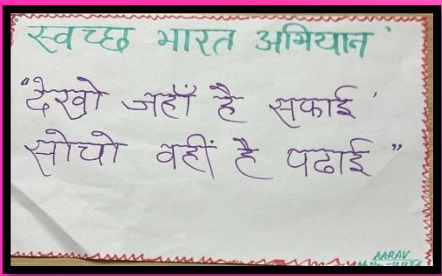

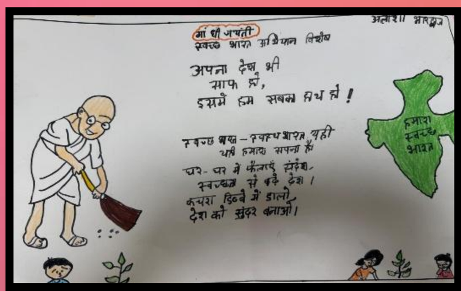

छात्रों ने भारत के आठों-उत्तर पूर्वी राज्यों का सचित्र संक्षिप्त परिचय खूबसूरती से दिखाया और उनके बारे में जाना |

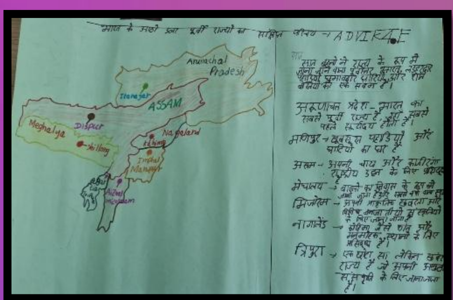

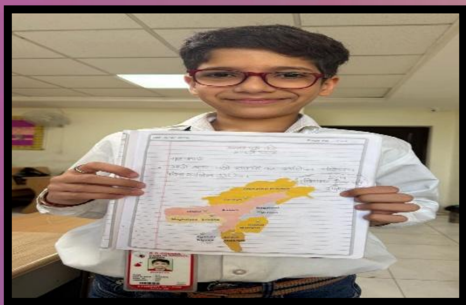

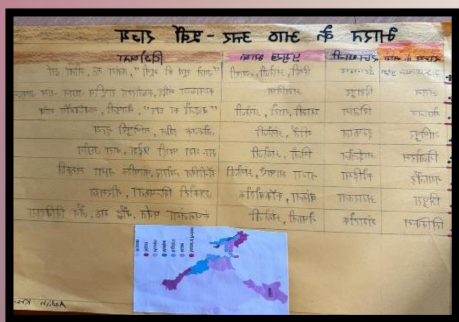

कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों ने "सौरमंडल की सैर" नामक गतिविधि में भाग लेकर ग्रहों की सुंदर प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने चार्ट और मॉडल के माध्यम से बुध से लेकर वरुण तक सभी ग्रहों की विशेषताओं को सरल भाषा में समझाया। बच्चों की रचनात्मकता, टीमवर्क और वैज्ञानिक सोच ने सभी को प्रभावित किया और यह गतिविधि उनके आत्मविश्वास व ज्ञानवर्धन का प्रेरणादायक उदाहरण बनी।

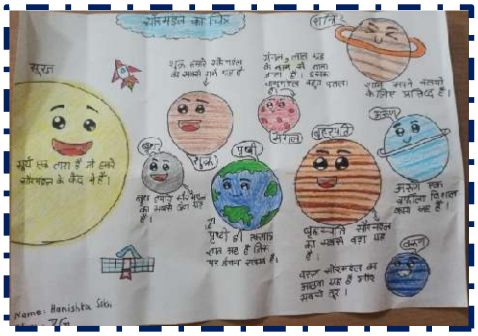

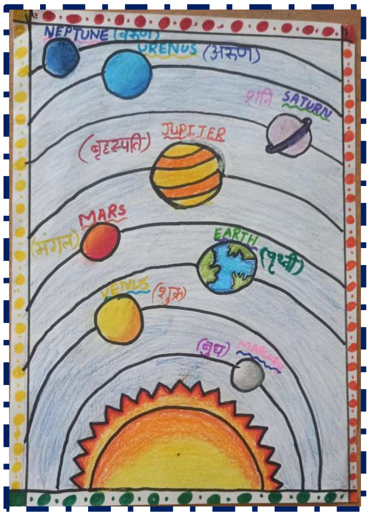

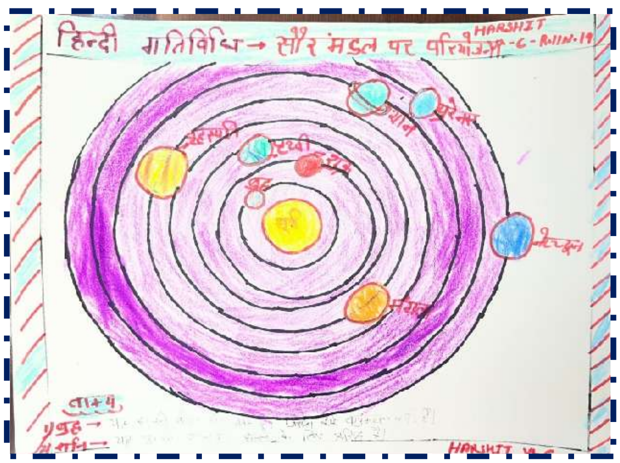

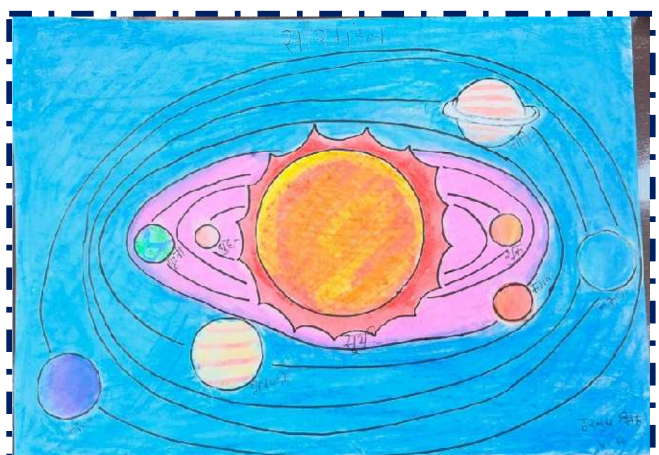

अनेक शब्दों का एक सुंदर संगम कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने "अनेक के लिए एक शब्द" गतिविधि में अपनी रचनात्मकता और भाषा कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। उन्होंने शब्दों को न केवल सही ढंग से चुना, बल्कि उन्हें रंग-बिरंगे चार्ट, चित्रों और सुंदर लेखन के माध्यम से प्रस्तुत किया। हर शब्द में उनकी समझ, कल्पना और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम झलकता रहा। यह गतिविधि बच्चों के शब्द भंडार को समृद्ध करने के साथ-साथ उनकी प्रस्तुति क्षमता को भी निखारने वाली रही।

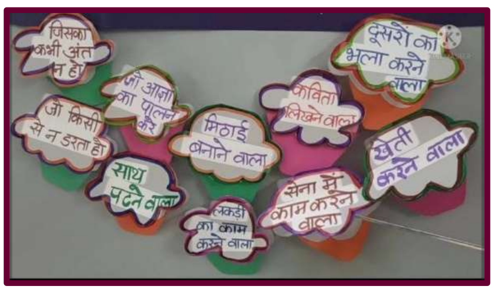

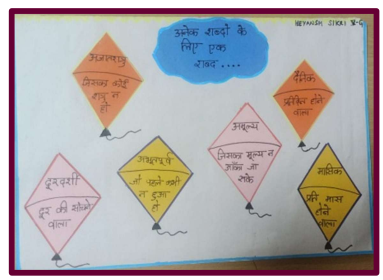

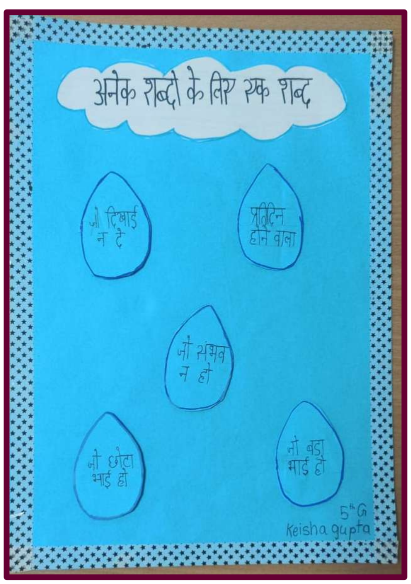

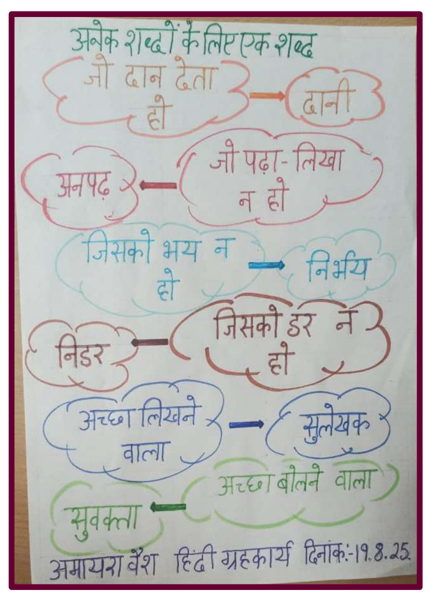

भाषा की कला: एक में अनेक

प्रतिभा की उड़ान, स्वच्छता का संकल्प, हिंदी का सम्मान!

कक्षा तीसरी से पाँचवीं के विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कविता तथा कहानी वाचन, सुलेख, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण और प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का सुंदर प्रदर्शन किया। स्वच्छता दिवस पर सभी ने मिलकर स्वच्छता का संदेश फैलाया और अपने कक्षों व परिसर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा के प्रति प्रेम और सम्मान को रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन गतिविधियों ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास, भाषा प्रेम और सामाजिक चेतना को सशक्त किया।

हिंदी दिवस- मातृभाषा का उत्सव, अभिव्यक्ति का पर्व!

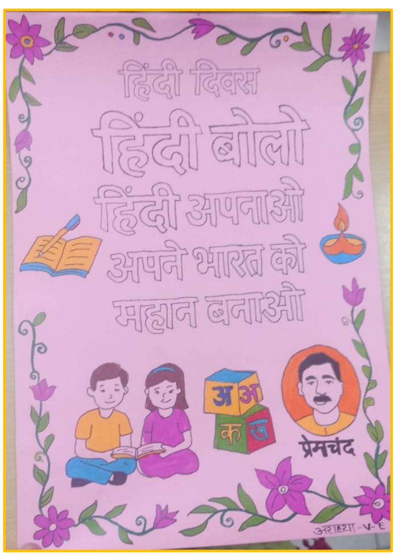

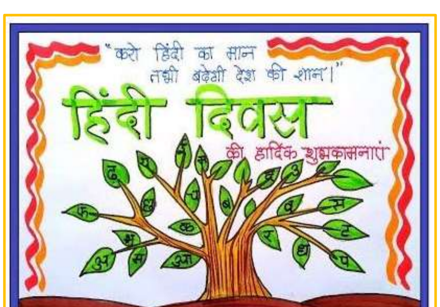

स्वच्छ भारत - सुंदर भारत!

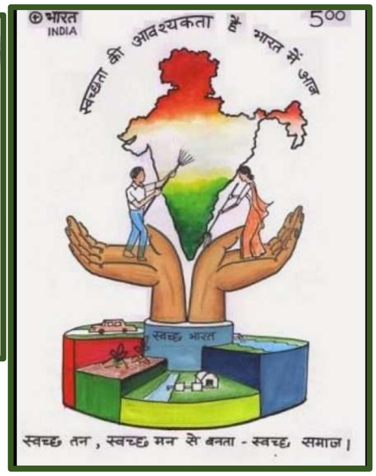

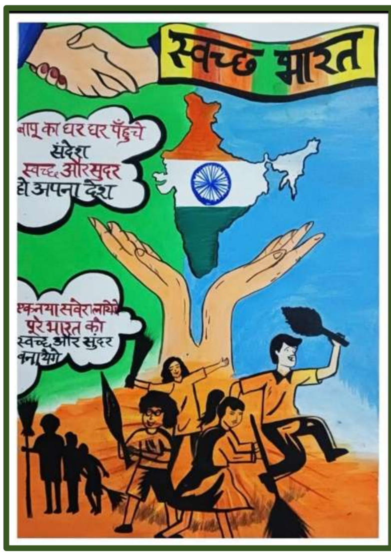

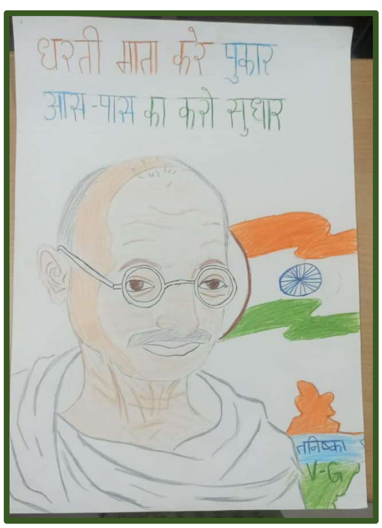

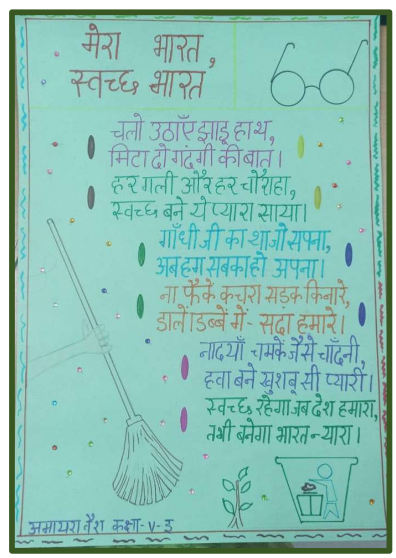

धन्यवाद